ई संदेश

29 जनवरी, 2026 | अंक -190

सात दिन, सात पृष्ठ

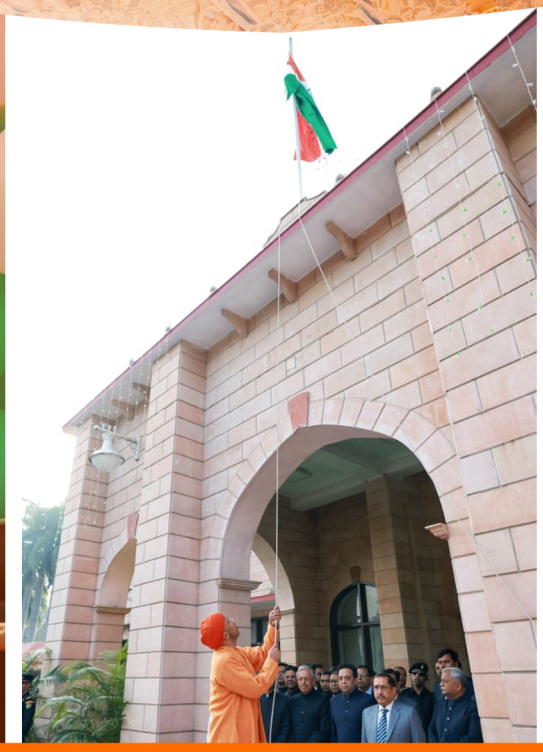

77वें गणतंत्र दिवस पर अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

मुख्यमंत्री ने 77वें गणतंत्र दिवस पर अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

खेल विश्वविद्यालय खेल और खेलकूद गतिविधियों को आगे बढ़ाने का एक नया मानक तय करेगा: मुख्यमंत्री

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल इम्प्लॉयमेण्ट एण्ड इण्डस्ट्रियल जोन का शुभारम्भ तथा 'एक जिला एक व्यंजन' योजना को लॉन्च किया

मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएँ उत्तर प्रदेश को तेजी से आर्थिक समृद्धि और निवेश के नए केन्द्र के रूप में स्थापित कर रही हैं : मुख्यमंत्री

शिष्टाचार भेंट

सामाजिक न्याय, समावेशी विकास तथा शिक्षा पर समाज के प्रत्येक वर्ग का समान अधिकार है : मुख्यमंत्री

उपरिगामी सेतु तथा फ्लाईओवर बन जाने से जाम से मुक्ति मिलेगी : मुख्यमंत्री

'सिद्धार्थनगर महोत्सव' प्रत्येक वर्ग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्लेटफार्म प्रदान करेगा : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने 77वें गणतंत्र दिवस पर अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 26 जनवरी, 2026 को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज यहां अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों तथा देशभक्तों को नमन करते हुए भारतीय संविधान के निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज ही के दिन सन् 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। 76 वर्षों की इस यात्रा में अनेक उतार-चढ़ाव हमारे संविधान ने देखे हैं। इसके बावजूद 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्पों के अनुरूप प्रत्येक भारतवासी के गौरव तथा भारत की एकात्मता और अखण्डता के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए आज हम सभी एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। नये भारत के निर्माण में हमारे संविधान की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

Lorem Ipsum

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में भारत के स्वाधीनता आन्दोलन ने नई ऊंचाइयां प्राप्त कीं। मुख्यमंत्री जी ने संविधान सभा के अध्यक्ष और भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, संविधान शिल्पी बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर, वर्तमान भारत के शिल्पकार लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल, क्रान्तिकारियों के सिरमौर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सहित देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाले सभी ज्ञात-अज्ञात सपूतों को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

हमारा संविधान सम और विषम परिस्थितियों में भारत का सम्बल और मार्गदर्शक बना है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज पूरा देश 26 नवम्बर की तिथि को संविधान दिवस के रूप में आयोजित करता है। हमारा संविधान सम और विषम परिस्थितियों में भारत का सम्बल और मार्गदर्शक बना है। संविधान की यह पंक्ति-'हम भारत के लोग' हर भारतवासी के लिए एक नई प्रेरणा हैं। भारत के संविधान का वास्तविक संरक्षक भारत के नागरिक हैं। भारत के नागरिकों के प्रति प्रत्येक संस्था, मंत्रालय और विभागों की जवाबदेही है। यह संविधान के प्रति हमारे समर्पण भाव को भी व्यक्त करता है। जब हम संविधान की मूल भावनाओं का अनादर करते हैं, तो वास्तव में यह अनादर भारत के संविधान का नहीं, बल्कि भारत के उन महापुरुषों का अपमान है, जिनके बल पर यह देश स्वतंत्र हुआ। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान के प्रति पूरी श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संविधान हमारे लिए एक पवित्र दस्तावेज है। भारत को एकता और अखण्डता के सूत्र में बांधने से लेकर के देश में न्याय, बन्धुता और समता के भाव को आगे बढ़ाने में संविधान हमें राह दिखाता है। हर नागरिक को बिना भेदभाव के न्याय मिले। देश में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न हो। परस्पर समता और बंधुता का यह माहौल पूरे देश में आगे बढ़ेगा, तो भारत को विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अभियान को कोई रोक नहीं सकता। न्याय, बन्धुता और समता ने भारत के संविधान को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत को स्थापित करने में सबसे बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरवपूर्ण होनी चाहिए, क्योंकि भारत के विकसित होने से देश की आर्थिक समृद्धि बढ़ेगी और नागरिकों के जीवन में कई गुना समृद्धि आएगी तथा वह खुशहाल होंगे। इसका रास्ता समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति से प्रारम्भ होता है तथा हमारे गांव व शहर की गलियों से होकर जाता है। हमें प्रत्येक स्तर पर आत्मनिर्भरता का भाव आगे बढ़ाना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का संविधान व्यष्टि नहीं समष्टि के भाव के साथ हम सभी को जोड़ने की प्रेरणा देता है। कोई व्यक्ति न्याय, संविधान व व्यवस्था से ऊपर नहीं है। आज का यह दिवस हम सभी को भारत के महान संविधान के प्रति समर्पण और राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

नेशन फर्स्ट' को ध्यान में रखते हुए हमें अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करना चाहिए : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 जनवरी, 2026 को पूर्व संध्या पर 77वें गणतंत्र दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गणतंत्र दिवस स्वाधीनता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान का स्मरण कराने के साथ हमें संविधान के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। इस गणतंत्र दिवस पर भारत के संविधान के लागू होने के 76 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। न्याय, समता और बंधुता के मूल भाव के साथ हमारे संविधान ने 76 वर्षों की अपनी यात्रा को शानदार तरीके से तय किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि राष्ट्र धर्म के प्रति समर्पण से ही देश महान बनता है। हमारे संविधान में हमारे मूल कर्तव्य और मौलिक अधिकारों का उल्लेख है। 'नेशन फर्स्ट' को ध्यान में रखते हुए हमें अपने कर्तव्यों का पालन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करना चाहिए।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व से राष्ट्र के प्रति निष्ठा का भाव, असीम साहस वीरता और निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा प्राप्त होती है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 जनवरी, 2026 को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती 'पराक्रम दिवस' के अवसर पर यहां लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार व प्रदेशवासियों की ओर से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा के सम्मुख स्थित उनके चित्र पर पुष्प अर्पित उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भारत की आजादी का एक ऐसा नाम हैं, जिसके माध्यम से प्रत्येक भारतीय को उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व का बोध होता है। उनके व्यक्तित्व से राष्ट्र के प्रति निष्ठा का भाव, असीम साहस, वीरता और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के अभियान में दिये गये योगदान के कारण प्रत्येक भारतवासी नेताजी के प्रति अत्यन्त श्रद्धा व सम्मान का भाव रखता है। हमें उनके व्यक्तित्व में ओज, तेज और किसी विपरीत परिस्थिति में भी देशद्रोही और देश विरोधी तत्वों के सामने न झुकने का दृढ़ संकल्प दिखाई देता है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का जन्म सन् 1897 में कटक में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा ब्रिटेन से प्राप्त की। नेताजी ने उस समय की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त होने के बावजूद, ब्रिटिश हुकूमत के अधीन कार्य करने से मना कर दिया और भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में कूद पड़े।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब पूरा देश गांधी जी के नेतृत्व में स्वाधीनता आन्दोलन को एक नई क्रान्तिकारियों के सिरमौर के रूप में आजादी की लड़ाई को नई गति प्रदान की थी। उन्होंने देश की आजादी के लिये भारत के अंदर तथा बाहर अभूतपूर्व योगदान दिया। देश की आजादी की लड़ाई के दौरान उनके द्वारा किया गया आह्वान कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' भारत के नागरिकों के लिये मंत्र बन गया था। इस नारे ने युवाओं को देश की आजादी की लड़ाई में भाग लेने के लिये अत्यन्त प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का उद्घोष 'दिल्ली चलो' प्रत्येक भारतीय को आज भी प्रेरित करता है। आज भी 'कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा' भारतीय सेना के रिकूट व कमीशन प्राप्त अधिकारी अपने दीक्षांत समारोह में बड़ी शान के साथ गाते हैं। यह भी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की देन है।

खेल विश्वविद्यालय खेल और खेलकूद गतिविधियों को आगे बढ़ाने का एक नया मानक तय करेगा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 22 जनवरी, 2026 को जनपद मेरठ में मेजर ध्यानचन्द खेल विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण तथा कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मेजर ध्यानचन्द खेल विश्वविद्यालय के परिधान, प्रतीक चिन्ह तथा फ्लैग को लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के नाम पर बना यह खेल विश्वविद्यालय आने वाले समय में प्रधानमंत्री जी के खेल और खेल संस्कृति के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। विकसित भारत में खेल और खेलकूद के पाठ्यक्रम भी विकसित भारत के अनुरूप होंगे। इसके लिए आगामी कार्य योजना बनायी गयी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह खेल विश्वविद्यालय खेल और खेलकूद गतिविधियों को आगे बढ़ाने का एक नया मानक तय करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा इसके प्रथम और द्वितीय चरण के समस्त निर्माण कार्यों को 31 मई, 2026 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए, जिससे यथाशीघ्र विश्वविद्यालय के लोकार्पण की तैयारियां पूर्ण की जा सके। उन्होंने कहा कि आज की जरूरत के अनुसार विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम, डिग्री एवं अन्य स्पोर्ट्स गतिविधियां को आगे बढ़ाया जाये। इस सम्बन्ध में अन्य विश्वविद्यालयां के साथ समन्वय करते हुये कार्य योजना बनाकर कार्यवाही की जाये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी बरसात के मौसम में विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण की कार्य योजना बनाकर इस सम्बन्ध में कार्यवाही की जाये। विश्वविद्यालय में अच्छी फैकल्टी तैनात हो तथा कोच के रूप में पूर्व खिलाड़ियां की सेवाएं ली जाएं। एक नई खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का उपयोग हो।

बैठक के उपरान्त मुख्यमंत्री जी ने मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार खेल और खेल संस्कृति को तेजी के साथ प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश सरकार हर ग्राम पंचायत में खेल के मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम तथा जनपद स्तर पर स्टेडियम का निर्माण करा रही है। विधायक खेलकूद प्रतियोगिताओं एवं ग्रामीण लीग प्रतियोगिताओं ने प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। खेल के क्षेत्र में सरकार द्वारा समग्रता के साथ किये गये प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे है। आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में प्रदेश के युवा वैश्विक पटल पर अपना परचम लहरायेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जी के नाम पर प्रदेश का पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण मेरठ में हो रहा है। मेरठ क्रांति की धरा है। मेरठ ने स्वाधीनता आंदोलन को अपना नेतृत्व दिया था। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना में स्पोर्ट्स आईटम को मेरठ के विशिष्ट उत्पाद के रूप में चयनित किया गया है। अब इसी धरा पर बनने वाली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खेल के क्षेत्र में अपना नेतृत्व प्रदान करेगी।

सरधना में गंगनहर के किनारे 100 एकड़ क्षेत्रफल में प्रदेश की प्रथम स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कार्यों का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलां द्वारा किया गया था। सरकार ने प्रथम चरण में 250 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रथम चरण का कार्य आगामी मार्च में सम्पन्न होगा। इसके द्वितीय चरण के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक के नये प्रोजेक्ट दिये गये हैं। यह सम्भावना है कि 31 मई, 2026 तक प्रथम और द्वितीय चरण के सभी कार्यों को आगे बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि खेल विश्वविद्यालय वर्ल्ड क्लास बने तथा भारत के खेल सामर्थ्य को वैश्विक मंच पर ले जाने के प्रधानमंत्री जी के विजन को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सके। इसके लिए विश्वविद्यालय के सामने लक्ष्य भी रखा गया है। विश्वविद्यालय में अच्छी फैकल्टी तैनात करने के स्पष्ट निर्देश दिए गये हैं। यह भी निर्देश दिए गये हैं कि कोच के रूप में पूर्व खिलाड़ियों की सेवाएं ली जाएं, जिससे नई खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का उपयोग किया जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बालक एवं बालिकाओं में खेल के प्रति अच्छी रूचि है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अनेक ओलम्पियन हमारे देश के लिए मेडल जीतते हैं। उनकी प्रतिभा और उत्साह को देखते हुए हमारी सरकार ने यह तय किया है कि जो प्राइवेट खेल एकेडमी खेल के प्रोत्साहन के लिए कार्य करेंगी, उनके संचालन में राज्य सरकार भी अपना सहयोग करेंगी। खेल विश्वविद्यालय को केंद्र बनाकर हर कमिश्नरी में एक-एक स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की दिशा में सरकार प्रयास कर रही है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल इम्प्लॉयमेण्ट एण्ड इण्डस्ट्रियल जोन का शुभारम्भ तथा 'एक जिला एक व्यंजन' योजना को लॉन्च किया

उत्तर प्रदेश प्रत्येक प्रकार से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है : गृह मंत्री

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में 24 जनवरी, 2026 को यहां राष्ट्र प्रेरणा स्थल, लखनऊ में आयोजित 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल इम्प्लॉयमेण्ट एण्ड इण्डस्ट्रियल जोन का शुभारम्भ तथा 'एक जिला एक व्यंजन' योजना की लॉचिंग की। कार्यक्रम में 05 विभूतियों विंग कमाण्डर श्री शुभांशु शुक्ल, श्री अलख पाण्डेय, सुश्री रश्मि आर्य, डॉ0 हरिओम पंवार व डॉ0 सुधांशु सिंह को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 05 जनपदों (जौनपुर, आजमगढ़, हरदोई, अम्बेडकरनगर, झांसी) के जिलाधिकारियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने उत्तर प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज मैं राष्ट्र प्रेरणा स्थल में पहली बार आया हूं। यह स्थल दशकों तक देश को दिशा प्रदान करेगा। गृह एवं सहकारिता मंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में सरकार के घोषणा पत्र में 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना कारीगरों, युवाओं, महिलाओं के लिये रोजगार का साधन बनी है।आज यहां लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से सरदार पटेल औद्योगिक क्षेत्र योजना का शुभारम्भ हुआ है। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए यह योजना महत्वपूर्ण साबित होगी। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में योजनाओं को धरातल पर उतारा है। एक जमाने में उत्तर प्रदेश को लेबर सोर्स स्टेट के रूप में माना जाता था। आज यह प्रदेश भारत की इकोनॉमी का फोर्स स्टेट बन चुका है।

गृह एवं सहकारिता मंत्री जी ने कहा कि विगत 03 वर्षों में उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर 17 प्रतिशत रही है। देश के खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत योगदान उत्तर प्रदेश का है। निःसंकोच कहा जा सकता है कि आज उत्तर प्रदेश भारत का फूड बास्केट बन चुका है। यह प्रदेश गन्ना व इथेनॉल उत्पाद में देश में नम्बर 01 पर है। प्रदेश में केन्द्र सरकार की सभी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। अब उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में भी 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ देश के सभी राज्यों के साथ स्पर्धा कर रहा है। उत्तर प्रदेश की कानून और व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार आया है। यहां की कनेक्टिविटी सुधरी है। उत्तर प्रदेश प्रत्येक प्रकार से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ चुका है। यह प्रदेश प्रत्येक कालखंड में देश को सुरक्षित करने वाला राज्य बना है। उत्तर प्रदेश में आज सबसे ज्यादा एयरपोर्ट हैं।

'एक जनपद एक उत्पाद' योजना आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नयी ताकत बनी तथा आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान दे रही : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेशवासियों को 'उत्तर प्रदेश दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत वैश्विक मंच पर अपनी नयी पहचान बना रहा है। विगत 11 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत की तस्वीर देखी है। 'उत्तर प्रदेश दिवस' के उपलक्ष्य में नये भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का एक संदेश प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री जी ने अपने संदेश में लिखा है कि आज 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाया जा रहा है। मैं सभी यू0पी0 वासियों को 'उत्तर प्रदेश दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मैं काशी का सांसद हूं, उत्तर प्रदेश के लोगों ने मुझे चुनकर लोकसभा भेजा है। इसलिए यह दिन मेरे लिये और भी विशेष हो जाता है। यू0पी0 के लोगों से मुझे जो प्रेम और आत्मीयता मिली है, वह मेरे लिये बहुत बड़ी पूंजी है।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश की मिट्टी में कुछ खास है। इस प्रदेश ने हमेशा अपनी सामर्थ्य व प्रतिभा से देश के विकास को गति प्रदान की है। मुझे खुशी है कि हमारा उत्तर प्रदेश आज 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र का उत्तम उदाहरण बन रहा है। उत्तर प्रदेश में प्रभु श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या है। भगवान की श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा-वृन्दावन है। इसी भूमि पर सारनाथ से भगवान बुद्ध का ज्ञान विश्व को प्राप्त हुआ था। इस प्रदेश में अनादि काशी और पवित्र प्रयागराज भी है। अयोध्या में श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा व ध्वजारोहण, काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण, प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन और वर्तमान में गतिशील माघ मेला यू0पी0 की सांस्कृतिक सामर्थ्य को दर्शाता है। यह सामर्थ्य प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार कर रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश झांसी और मेरठ से लेकर काकोरी तक स्वतंत्रता आन्दोलन की उर्वरा भूमि भी रहा है। इस प्रान्त की मिट्टी को रानी लक्ष्मी बाई, झलकारी बाई, बेगम हजरतमहल, मंगल पाण्डे, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद तथा अशफाक उल्ला खां जैसी महान विभूतियों की जन्म व कर्मभूमि बनने का गौरव प्राप्त है। मध्यकाल में महाराजा सुहेलदेव ने आक्रमणकारियों के आतंक का अंत किया था। इतिहास राजा बिजली पासी के शौर्य का भी साक्षी रहा है। ऐसी महान प्रेरक गाथाओं को साथ लेकर उत्तर प्रदेश के लोगों ने अपने श्रम, सामर्थ्य व निष्ठा से राज्य की अलग पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि आज उत्तर प्रदेश तेजी से 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। एक समय ऐसा भी था, जब दशकों तक प्रोजेक्ट्स के लंबित रहने के कारण आम लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा हो गया था, लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा पुराने प्रोजेक्ट्स पूर्ण किये जा रहे हैं। नयी परियोजनाएं भी तेजी से पूरी की जा रही हैं। इसमें केन्द्रीय स्तर पर होने वाली 'प्रगति' की बैठकों की भी अहम भूमिका रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के बाद अब गंगा एक्सप्रेस-वे भी यू0पी0 के विकास को नयी रफ्तार देने जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश जल्द ही 21 हवाई अड्डों वाला प्रदेश बनने की राह पर है

और देश में सबसे आगे खड़ा है। लखनऊ, वाराणसी तथा अयोध्या जैसे एयरपोर्ट दुनिया के लिये हमारा द्वार खोल रहे हैं। जेवर का नोएडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट भी शीघ्र ही लाखों यात्रियों की उम्मीदां को उड़ान देगा। अपने विशाल जन सामर्थ्य के साथ आज यू0पी0 आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल दे रहा है।

उत्तर प्रदेश में लाखों की संख्या में एम0एस0एम0ई0, लघु और कुटीर उद्योग भी हैं, जैसे बनारसी साड़ियां, भदोही के कालीन, कन्नौज का इत्र या मुरादाबाद के पीतल के बर्तन। यू0पी0 के हर जिले की अपनी शक्ति है। 'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना ने यहां के लाखां लघु उद्योगों को सशक्त किया है। इसके साथ ही, सेमीकंडक्टर चिप्स, ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन तथा डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से उत्तर प्रदेश विकसित होते भारत का प्रतिबिम्ब बनकर उभर रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में उत्तर प्रदेश के नम्बर-1 होने पर हमें गर्व है। उत्तर प्रदेश आज मजबूत कानून-व्यवस्था का उदाहरण बन चुका है। नये कीर्तिमान के साथ ही राज्य ने जनसेवा और लोककल्याणकारी नीतियों को अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाकर उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। गरीबों के लिए रिकॉर्ड संख्या में बने नये घरों से लेकर बेहतर जीवन के लिए उन तक पहुँच रही विभिन्न सुविधाएं अन्त्योदय के लिये सरकार के समर्पण को प्रदर्शित करती हैं।

मुख्यमंत्री ने उ0प्र0 दिवस के उपलक्ष्य पर प्रधानमंत्री जी का संदेश पढ़ा

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि प्रदेश पिछड़ों को प्राथमिकता के मंत्र को आत्मसात करते हुये आगे बढ़ रहा है। मुझे याद है कि मैंने गरीब महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने वाली 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' को उत्तर प्रदेश के बलिया से शुरू किया था। आज यह योजना गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण का पर्याय बन चुकी है। आज का यह दिन प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिये संकल्प का भी अवसर है। राज्य के सभी निवासियों को विकास के प्रत्येक पैरामीटर पर प्रदेश को नम्बर वन बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हम संकल्प लें कि यू0पी0 को आत्मनिर्भर अभियान, मिशन मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी बनायेंगे।

प्रधानमंत्री जी ने लिखा है कि जनसंख्या की दृष्टि से यह प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। जब हम सामूहिक शक्ति से विकास का निर्धारित लक्ष्य लेकर चलेंगे, तो यू0पी0 की प्रगति से देश के विकास को भी गति प्राप्त होगी। मैं एक बार फिर उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य व प्रदेशवासियों के समर्पण को नमन करते हुये उत्तर प्रदेश दिवस की बधाई देता हूँ।विकसित उत्तर प्रदेश का यह संकल्प दिन-प्रतिदिन विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की ऊर्जा बनेगा।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उनका यह सन्देश सभी प्रदेशवासियों के लिये है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2018 में पहली बार उत्तर प्रदेश की स्थापना दिवस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था, तब श्री राम नाईक जी प्रदेश के राज्यपाल थे। प्रधानमंत्री जी एवं गृह मंत्री जी की प्रेरणा से हम लोगों ने परम्परागत उद्यमों को 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के रूप में आगे बढ़ाया था। आज यह योजना आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नयी ताकत बनी है तथा आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान दे रही है। आज गृह एवं सहकारिता मंत्री जी के कर-कमलों से 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना लागू की गयी है। इस योजना में प्रदेश के सभी 75 जनपदों की 75 विशिष्ट खाद्य सामग्रियों को सम्मिलित किया गया है। यह योजना भी उत्तर प्रदेश की नयी ताकत बनेगी।आज प्रदेश के युवाओं के लिये सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेन्ट जोन नामक एक नयी योजना का शुभारम्भ भी किया गया है। यह एप्लॉयमेन्ट जोन प्रदेश के प्रत्येक जनपद में लगभग 100 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित किये जाएंगे। नौकरी करने अथवा अपना कारोबार प्रारम्भ करने के इच्छुक युवाओं के स्केल को स्किल डेवलपमेन्ट में बदलने का कार्य किया जायेगा। इसके पश्चात उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप उन्हें रोजगार से जोड़ा जायेगा।

मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएँ उत्तर प्रदेश को तेजी से आर्थिक समृद्धि और निवेश के नए केन्द्र के रूप में स्थापित कर रही हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई, ऊर्जा, शिक्षा और औद्योगिक विकास सम्बन्धी परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएँ उत्तर प्रदेश को तेजी से आर्थिक समृद्धि और निवेश के नए केन्द्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। इन सभी योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि फरवरी, 2026 के अन्त तक गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए। 594 किलोमीटर लम्बा गंगा एक्सप्रेस-वे प्रदेश की कनेक्टिविटी को ऐतिहासिक मजबूती प्रदान करेगा और औद्योगिक, कृषि तथा लॉजिस्टिक्स गतिविधियों के लिए एक सुदृढ़ आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री जी ने मध्य गंगा नहर परियोजना (स्टेज-2) की समीक्षा करते हुए कहा कि सिंचाई परियोजनाएँ कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। बैठक में अवगत कराया गया कि इस परियोजना के पूर्ण होने से अमरोहा, मुरादाबाद और सम्भल जनपदों के बड़े कृषि क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

एरच सिंचाई परियोजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि यह परियोजना बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जल संरक्षण, सिंचाई और पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। परियोजना से कृषि कार्यों को स्थायित्व मिलेगा और जल संसाधनों के बेहतर प्रबन्धन में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री जी ने इस परियोजना से जुड़े अपूर्ण कार्यों को अविलम्ब पूरा कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने रिहंद एवं ओबरा क्षेत्र की जल विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करना प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि रिहंद-ओबरा क्षेत्र में पम्प स्टोरेज आधारित परियोजनाएँ भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी उपयोग में सहायक होंगी।

मुख्यमंत्री जी ने नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट की समीक्षा करते हुए फेज-3 के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट के शुभारम्भ से उत्तर प्रदेश एयर कार्गो हब के रूप में नई सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने वाला है।

मुख्यमंत्री जी ने ग्रेटर नोएडा में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब की समीक्षा करते हुए इन परियोजनाओं की कार्यवाही को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ होने से उद्योगों की लागत में कमी आएगी और उत्तर प्रदेश मैन्युफैक्चरिंग व सप्लाई-चेन का प्रमुख केन्द्र बनेगा।

मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट स्कूल योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह योजना प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और समग्र शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। प्रदेश के 75 जनपदों में 150 मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल स्थापित किए जाने हैं, जिनमें आधुनिक कक्षाएँ, विज्ञान प्रयोगशालाएँ, डिजिटल लर्निंग सुविधाएँ, खेल एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों के लिए समुचित अवसंरचना विकसित की जाएगी।उन्होंने चिल्ला एलिवेटेड फ्लाईओवर के कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास का अर्थ केवल निर्माण नहीं, बल्कि समय पर, गुणवत्तापूर्ण और जनोपयोगी परियोजनाओं को धरातल पर उतारना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रमुख परियोजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि प्रदेश की विकास यात्रा निरन्तर मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे।

शिष्टाचार भेंट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 28 जनवरी, 2026को यहां उनके सरकारी आवास पर जापान के यामानाशी प्रान्त के उप राज्यपाल श्री जुनिची इशिदेरा के नेतृत्व में आए 08 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल ने शिष्टाचार भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत-जापान के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी और उत्तर प्रदेश तथा यामानाशी प्रान्त के बीच उभरते सहयोग को और आगे बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से लखनऊ स्थित जनभवन में 26 जनवरी,2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने उन्हें "ग्लोबल सनातन" पुस्तक भेंट की।

सामाजिक न्याय, समावेशी विकास तथा शिक्षा पर समाज के प्रत्येक वर्ग का समान अधिकार है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 जनवरी, 2026 को यहां लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में 18,78,726 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 944.55 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि हस्तान्तरित की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना से आच्छादित विद्यार्थियों को स्वीकृति प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि सरकार की ओर से वंचित वर्गों के सहयोग के क्रम में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर छात्रवृत्ति वितरण समारोह आयोजित किया गया है। यह समारोह इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास तथा शिक्षा पर समाज के प्रत्येक वर्ग का समान अधिकार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मानना है कि वंचित को वरीयता और पिछड़ों को प्राथमिकता मिले। इसके पीछे का ध्येय है कि कोई भी छात्र-छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे तथा कोई भी नौजवान नौकरी और रोजगार से वंचित न रहे। समाज का प्रत्येक तबका स्वावलम्बी बने। किसी नौजवान का स्वावलंबी होना देश के लिए सौभाग्य की बात है। शिक्षा पर सभी का अधिकार है और सरकार का यह दायित्व है कि उसका यह अधिकार बिना भेदभाव के उसे प्राप्त हो सके। सरकार ने यहाँ अपने उस दायित्व का निर्वहन किया है।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि वंचितों और पिछड़ों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसी के परिणामस्वरूप टेक्नोलॉजी का उपयोग कर ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई गई। 'ई-गवर्नेंस से ईजी गवर्नेंस' का बेस्ट मॉडल सामने आया, जो सुशासन का पर्याय बना है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति बिना भेदभाव के सर्व समावेशी विकास का लाभ प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब सरकार के स्तर पर 'राष्ट्र प्रथम' का भाव हो, तब सभी को बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। तकनीक से किसी लीकेज व कमीशन की गुंजाइश नहीं रहती। संस्थाओं से कहा जाता है कि समय पर छात्रवृत्ति का फॉर्म अपलोड करें। सरकार के पास पैसे की कमी नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए पात्र प्रत्येक छात्र को इस सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। सरकार की योजनाओं से परिवर्तन लाया जा सकता है। आज से 09 वर्ष पूर्व गरीब के बच्चों के पढ़ने वाले प्राथमिक विद्यालय बंदी के कगार पर थे। भवन, शिक्षक तथा छात्रों का अभाव था। विद्यालय भवनों में बड़े-बड़े पेड़ उगे होते थे। 'ऑपरेशन कायाकल्प' ने बेसिक शिक्षा का कायाकल्प किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में प्री-प्राइमरी संचालित होगा। इससे बच्चे के लिए बचपन में ही स्कूल जाने और पोषण मिशन के अन्तर्गत सुपोषण की व्यवस्था होगी। इससे उसका बचपन मजबूत हो सकेगा और वह आने वाले समय में देश के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग कर सकेगा। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा लागू किया गया ऑपरेशन कायाकल्प नीति आयोग की सक्सेस स्टोरीज में से एक है। जन सहभागिता, कन्वर्जेन्स, शासन के सहयोग व जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से यह सभी कार्यक्रम विद्यालयों में सम्पन्न हुए।

आज से 09 वर्ष पूर्व राजकीय व सहायता प्राप्त इंटर कॉलेज जर्जर स्थिति में थे। माध्यमिक शिक्षा नकल का अड्डा बन चुकी थी और यहां के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। 'प्रोजेक्ट अलंकार' के अन्तर्गत आज माध्यमिक विद्यालयों के भव्य भवन फिर से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहाँ गरीबों व श्रमिकों के बच्चे और निराश्रित बच्चे अच्छी शिक्षा ले सकते हैं। अटल आवासीय विद्यालय की तर्ज पर सी0एम0 कम्पोजिट विद्यालय वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ तैयार हो रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय को 30-30 करोड़ रुपये निर्माण के लिए दिए गए हैं। गरीब के बच्चे को भी अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। इसलिए निर्देश दिए गए कि इन बच्चों की क्वालिटी एजुकेशन पर ध्यान दिया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में गरीब की बेटियां पढ़ती हैं। यहाँ इन बेटियों के लिए केवल आठवीं तक शिक्षा की व्यवस्था थी। सरकार ने इसको इंटरमीडिएट तक किया। इन बेटियों की शिक्षा का समस्त खर्च सरकार उपलब्ध कराती है। समाज कल्याण विभाग द्वारा सर्वोदय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। यहाँ क्वालिटी एजुकेशन का सम्पूर्ण खर्च विभाग उठाता है। नये सैनिक स्कूल बनाए जा रहे हैं। हमारे स्कूल शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट, खेल और नवाचार के केंद्र बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से नीट, आई0आई0टी0, जे0ई0ई0 या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की फिजिकल और वर्चुअल तैयारी की सुविधा उपलब्ध है। इन परीक्षाओं को क्वालीफाई करने वाले नौजवान ही समय देकर अपने-अपने जनपदों में कोचिंग का संचालन भी कर रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों में इस योजना से लाभान्वित बच्चे भी अच्छा स्थान प्राप्त कर रहे हैं। अब हमारे बच्चों को दूसरी जगह कोचिंग की सहायता लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

आज प्रदेश के संस्थानों में इण्डस्ट्री की माँग के अनुरूप स्किल डेवलपमेण्ट के प्रोग्राम चल रहे हैं। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से सम्बन्धित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेज प्रारम्भ किए गए हैं। ए0आई0, रोबोटिक, ड्रोन टेक्नोलॉजी तथा स्पेस टेक्नोलॉजी से सम्बन्धित ट्रेनिंग उत्तर प्रदेश में ही दी जा रही है।

प्रदेश में खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे हमारे संस्थान आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नौजवानों को तैयार कर सकें। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के नाम पर मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बन रही है। प्रत्येक कमिश्नरी पर एक-एक स्पोर्ट्स कॉलेज के निर्माण कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। स्थानीय कॉलेजों में एक-दो खेलों को बढ़ावा देकर उन्हें 'सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित कर नौजवानों को तराशा जाए। इससे हमारा नौजवान, सम्मान व गौरव के साथ वैश्विक मंच पर आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। संविधान के अनुरूप आज देश अपनी सभी व्यवस्थाओं का संचालन कर रहा है। वर्तमान में शासन की सभी विकासपरक और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक तबके को बिना भेदभाव के प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

उपरिगामी सेतु तथा फ्लाईओवर बन जाने से जाम से मुक्ति मिलेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 27 जनवरी, 2026 को जनपद गोरखपुर में बरगदवा चौराहे से जेल रोड पर नकहा जंगल-मानीराम स्टेशनों के मध्य सम्पार संख्या-5ए पर 152.18 करोड़ रुपये लागत से निर्मित 1,092 मीटर लम्बाई के 4-लेन रेल उपरिगामी सेतु तथा 96.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 605 मीटर लम्बाई के बरगदवा-कौवाबाग जेल बाईपास 4-लेन मार्ग स्थित खजांची चौराहे पर फ्लाईओवर का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर महानगर वासियों को एक नया मार्ग प्राप्त हो रहा है। इससे आवागमन आसान होगा। बरगदवा नकहां ओवर ब्रिज एवं खजांची चौराहे के पास फ्लाईओवर की सौगात हम सभी को प्राप्त हुई है। यह दोनों परियोजनाएं लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हुई हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से 05 वर्ष पूर्व यह क्षेत्र वीरान था। आज यहां पर फर्टिलाइजर का भव्य कारखाना, सैनिक स्कूल, एस0एस0बी0 एवं सुन्दर चिलुआताल भी है। इसके पास ही राप्तीनगर में आवासीय कालोनी के निर्माण के साथ ही यहां पर उत्सव भवन भी है। इसी क्षेत्र के पास स्थित बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज का एक नया भव्य स्वरूप भी हम सबको देखने को मिल रहा है। पहले इस नकहा रेलवे क्रॉसिंग पर लोगों को घण्टों जाम में फंसना पड़ता था। फ्लाईओवर बन जाने से अब जाम से मुक्ति मिलेगी। फर्टिलाइजर तथा स्पोर्ट्स कॉलेज की तरफ यात्रा सुगम और सरल बनेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अब समस्या नहीं, बल्कि समाधान पर बात होती है। अब माफिया मच्छर, इंसेफ्लाइटिस नहीं, बल्कि गोरखपुर की वर्ल्ड क्लास सड़कें, एम्स, फर्टिलाइजर, मेडिकल कॉलेज, आयुष विश्वविद्यालय और गीडा में आया निवेश, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लिंक एक्सप्रेस-वे आज गोरखपुर की पहचान बन गयी है। आज गोरखपुर नये भारत के नये उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर में 4-लेन की कनेक्टिविटी है। बरगदवा से नकहा, नकहा से स्पोर्ट्स कॉलेज होते हुए मोहद्दीपुर तक तथा एयरपोर्ट से लेकर सोनौली के साथ गोरखपुर से वाराणसी और लखनऊ तक 4-लेन की कनेक्टिविटी है। आज गोरखपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे से अयोध्या होते हुए लखनऊ मात्र 3.5 घंटे में पहुंचा जा सकता है। पहले यह दूरी तय करने में 08 से 10 घंटे लगते थे। आज गोरखपुर से अच्छी कनेक्टिविटी के कारण वाराणसी की दूरी मात्र 2.5 घण्टे में पूरी कर सकते हैं। पहले रामगढ़ताल माफिया और मच्छरों के पनपने का केन्द्र हुआ करता था, किन्तु आज यह गोरखपुर को एक नई पहचान दे रहा है। आज गोरखपुर की पहचान विकास की है और एक नये स्किल मैनपावर के केन्द्र के रूप में है। गोरखपुर एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मन में विकसित भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ने का जो जज्बा है, उस जज्बे का केन्द्र बिन्दु इस विकास में दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर में जिस प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है, वैसा ही इंफ्रास्ट्रक्चर जनपद अयोध्या, लखनऊ कानपुर, प्रयागराज, मीरजापुर, आजमगढ़, वाराणसी, बुन्देलखण्ड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी देखने का मिलता है। विकास का केन्द्र एक जनपद बनकर नहीं रहेगा, बल्कि सरकार समग्र प्रदेश को उस विकास के साथ जोड़ने का कार्य करेगी। विकास की इस प्रक्रिया का उपयोग विकसित उत्तर प्रदेश एवं विकसित भारत के अभियान का सारथी बनाने के रूप में करेंगे।

'सिद्धार्थनगर महोत्सव' प्रत्येक वर्ग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्लेटफार्म प्रदान करेगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 28 जनवरी, 2026 को जनपद सिद्धार्थनगर में 'सिद्धार्थनगर महोत्सव' का शुभारम्भ तथा 1052 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व को मानवता, करुणा और मैत्री का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध की पावन धरा पर सिद्धार्थनगर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव शब्द स्वयं में एक विराट अवधारणा को समाहित किये हुये है। सिद्धार्थनगर महोत्सव यहां के कलाकारों, किसानों, युवाओं तथा संस्थाओं सहित प्रत्येक वर्ग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। उत्तर प्रदेश उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन चुका है। विकास की इस यात्रा में निरन्तरता बनाये रखने के लिए प्रदेश सरकार दृढ़संकल्पित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी बड़े महोत्सव के आयोजन से पूर्व स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। गायन-वादन के साथ-साथ विविध कलाओं से सम्बन्धित प्रतिस्पर्धा ग्राम पंचायत, वार्ड, नगर पंचायत, नगर पालिका, क्षेत्र पंचायत, तहसील तथा विधानसभा स्तर पर की जानी चाहिए। इस प्रतिस्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को मुख्य महोत्सव में सम्मानित करने के साथ उनके परफार्मेन्स को जनता-जनार्दन के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यह कलाकार प्रगतिशील किसान, श्रमिक, खिलाड़ी, उद्यमी सहित जीवन के किसी भी क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा दायित्व है कि जनता-जनार्दन द्वारा दी गयी शक्ति का उपयोग जनता-जनार्दन के हित में बिना भेदभाव करके दिखाएं। आज सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारम्भ पर 1052 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात इस जनपद को प्रदान की जा रही है।

यह परियोजनाएं यहां के जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गये प्रस्तावों एवं प्रयासों से जनपद में लागू हो रही हैं। राज्य सरकार प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को अपना परिवार मानकर जनकल्याणकारी परियोजनाओं के लिए बिना भेदभाव के धनराशि उपलब्ध कराती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गत वर्ष मई महीने में मध्य उत्तर प्रदेश के भ्रमण के दौरान पाया कि वहां के किसान दो फसल के बाद तीसरी मक्का की फसल उपजा रहे थे। एटा, कन्नौज, औरैया, कानपुर देहात, हरदोई आदि जनपदों के अन्नदाता किसानों ने अवगत कराया कि उन्हें तीसरी फसल से 01 लाख रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। यहां के किसानों को भी इस दिशा में प्रयास करना होगा। फूड प्रोसेसिंग के प्रस्ताव लाएं, प्रदेश सरकार धनराशि तथा सब्सिडी उपलब्ध करा रही है। अच्छी नीयत होने पर नियन्ता भी सहयोग करता है। यहां का अन्नदाता किसान जैसी बरसात चाहता था, रात्रि से वैसी बरसात इन्द्रदेव द्वारा की जा रही है। यह एक प्रकार से धरती माता से सोना उगाने के लिए अन्नदाता किसान के लिए व्यवस्थित ईश्वरीय कृपा है।

मुख्यमंत्री जी ने सिद्धार्थनगर महोत्सव में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय को सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीवन हताशा व निराशा के लिए नहीं है। मनुष्य का जीवन उत्साह और उमंग के लिए प्राप्त हुआ है। एक-दूसरे के साथ मिलकर सकारात्मक ऊर्जा के साथ विकास के अभियान को आगे बढ़ाना आवश्यक है। प्रत्येक जगह काट-छांट नहीं होनी चाहिए। अच्छी सोच के साथ किये गये प्रयासों का परिणाम है कि सिद्धार्थनगर में श्री माधव बाबू के नाम पर श्री माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है। यह मेडिकल कॉलेज शानदार तरीके चल रहा है। यहां नर्सिंग कॉलेज भी प्रारम्भ हो चुका है। आज महिला छात्रावास का शिलान्यास तथा 1,000 सीट की क्षमता के ऑडिटोरियम को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लगभग 125 वर्ष पूर्व भगवान बुद्ध के अवशेष पिपरहवा से इंग्लैण्ड पहुंचा दिये गये थे। इन अवशेषों की वहां तथा ताइवान में नीलामी हो रही थी। यहां के सांसद ने प्रयास किया तथा हमने एक पत्र लिखा। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा किये गये प्रयासों से भगवान बुद्ध से जुड़े यह पवित्र अवशेष भारत लौट आए हैं। अब कपिलवस्तु में विपश्यना केन्द्र बनाया जा रहा है। वहां विकास के कार्य आगे बढ़ाये जा रहे हैं। पहले मित्र राष्ट्र नेपाल से कनेक्टिविटी अच्छी नहीं थी। प्रदेश सरकार ने फोर-लेन की बेहतर इण्टर स्टेट तथा इण्टरनेशनल कनेक्टिविटी प्रदान करने का प्रयास किया है। आज सिद्धार्थनगर को फोर-लेन की कनेक्टिविटी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खलीलाबाद से बहराइच होकर जाने वाली रेलवे लाईन 80 किलोमीटर सिद्धार्थनगर जनपद से गुजरती है। यह कार्य निवेश को आकर्षित करेगा। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर सिद्धार्थनगर जनपद के बांसी, डुमरियागंज तथा इटवा विधानसभा क्षेत्रों को टच करते हुए विकास का नया कॉरिडोर बनने जा रहा है। यह चीजें दिखाती हैं कि सरकार बांटकर विकास नहीं कर सकती, बल्कि समग्रता के भाव से देखती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मनरेगा में पहले कच्चा काम ही किया जा सकता था। पक्के काम की गुंजाइश नहीं थी। केवल 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी। अब विकसित भारत जी-राम-जी की नयी योजना के अन्तर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करायी जा रही है। यदि मांगने पर ग्राम पंचायत रोजगार नहीं देगी, तो उसे मुआवजा देना होगा। अब पक्का कार्य भी किया जा सकता है। गांव, गरीब, किसान, युवा, महिलाएं तथा समाज का प्रत्येक तबका विकास का आधार होना चाहिए। इसी भाव के साथ डबल इंजन सरकार ने इस कार्य को आगे बढ़ाया।

गणतंत्र दिवस की झलकियां